



Sachin Kumar

09 Sep 1981

10:30 PM

Bijnor

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120736906

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 09/09/1981 : _____ जन्म तिथि _____ : 9-10/09/2025
 बुधवार : _____ दिन _____ : मंगल-बुधवार
 घंटे 22:30:00 : _____ जन्म समय _____ : 04:59:18 घंटे
 घटी 41:17:45 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 57:30:34 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Bijnor : _____ स्थान _____ : Bijnor
 उत्तर 29:22:00 : _____ अक्षांश _____ : 29:22:00 उत्तर
 पूर्व 78:09:00 : _____ रेखांश _____ : 78:09:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:17:24 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:17:24 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:58:53 : _____ सूर्योदय _____ : 05:59:04
 18:31:23 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:29:45
 23:35:50 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:01
 वृष : _____ लग्न _____ : सिंह
 शुक्र : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : सूर्य
 धनु : _____ राशि _____ : मीन
 गुरु : _____ राशि-स्वामी _____ : गुरु
 उत्तराषाढ़ा : _____ नक्षत्र _____ : रेवती
 सूर्य : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : बुध
 1 : _____ चरण _____ : 2
 सौभाग्य : _____ योग _____ : वृद्धि
 वणिज : _____ करण _____ : वणिज
 भे-भैरव : _____ जन्म नामाक्षर _____ : दो-द्रोणी
 कन्या : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : कन्या
 क्षत्रिय : _____ वर्ण _____ : विप्र
 मानव : _____ वश्य _____ : जलचर
 नकुल : _____ योनि _____ : गज
 मनुष्य : _____ गण _____ : देव
 अन्त्य : _____ नाड़ी _____ : अन्त्य
 मूषक : _____ वर्ग _____ : सर्प
 44 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 45



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
रोहिणी	1	12:47:37	वृष			लग्न			सिंह	09:24:25	3	मघा
पू०फाल्गुनी	3	23:18:58	सिंह			सूर्य			सिंह	23:18:58	3	पू०फाल्गुनी
उत्तराषाढ़ा	1	28:30:44	धनु			चंद्र			मीन	23:16:05	2	रेवती
पुष्य	3	11:13:53	कर्क			मंगल			कन्या	27:34:03	2	चित्रा
हस्त	2	16:17:23	कन्या			बुध	अ		सिंह	20:06:46	3	पू०फाल्गुनी
हस्त	3	19:49:10	कन्या			गुरु			मिथु	25:12:15	2	पुनर्वसु
चित्रा	3	02:36:13	तुला			शुक्र			कर्क	24:10:09	3	आश्लेषा
हस्त	2	16:02:25	कन्या			शनि	व		मीन	05:09:24	1	उ०भाद्रपद
पुष्य	2	07:14:12	कर्क			राहु	व		कुंभ	24:07:05	2	पू०भाद्रपद
उत्तराषाढ़ा	4	07:14:12	मक			केतु	व		सिंह	24:07:05	4	पू०फाल्गुनी
विशाखा	4	03:00:58	वृश्चि			मु			मक	12:47:37	1	श्रवण

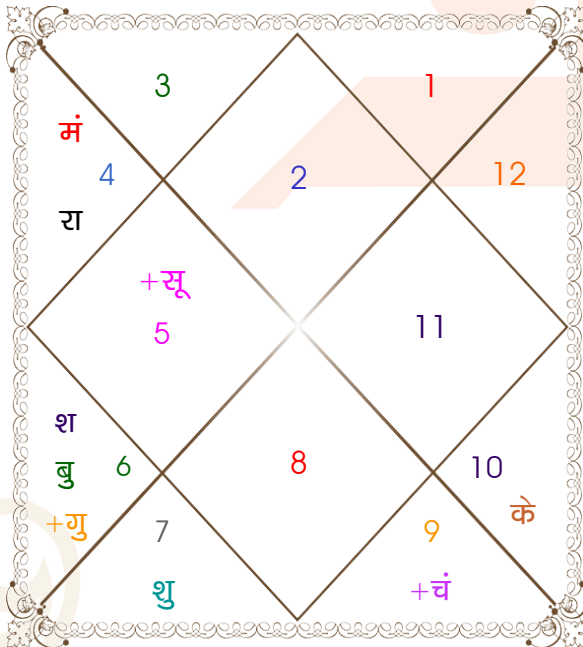
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

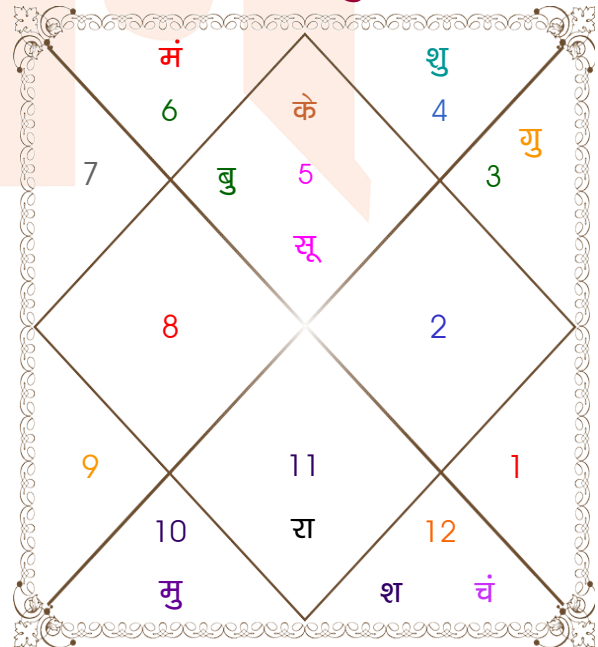
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:01

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - शनि - राहु 23/10/2025 04:00 10/03/2026 23:05	गुरु - शनि - गुरु 10/03/2026 23:05 12/07/2026 08:02	गुरु - बुध - बुध 12/07/2026 08:02 06/11/2026 14:54	गुरु - बुध - केतु 06/11/2026 14:54 24/12/2026 21:57
राहु 12/11/2025 23:39 गुरु 01/12/2025 11:48 शनि 23/12/2025 11:13 बुध 12/01/2026 03:08 केतु 20/01/2026 05:26 शुक्र 12/02/2026 08:37 सूर्य 19/02/2026 07:10 चंद्र 02/03/2026 20:46 मंगल 10/03/2026 23:05	गुरु 27/03/2026 09:52 शनि 15/04/2026 22:41 बुध 03/05/2026 10:09 केतु 10/05/2026 14:53 शुक्र 31/05/2026 04:22 सूर्य 06/06/2026 08:25 चंद्र 16/06/2026 15:10 मंगल 23/06/2026 19:53 राहु 12/07/2026 08:02	बुध 28/07/2026 22:48 केतु 04/08/2026 19:00 शुक्र 24/08/2026 08:09 सूर्य 30/08/2026 04:54 चंद्र 08/09/2026 23:28 मंगल 15/09/2026 19:40 राहु 03/10/2026 09:54 गुरु 19/10/2026 01:13 शनि 06/11/2026 14:54	केतु 09/11/2026 10:30 शुक्र 17/11/2026 11:41 सूर्य 19/11/2026 21:38 चंद्र 23/11/2026 22:14 मंगल 26/11/2026 17:50 राहु 03/12/2026 23:42 गुरु 10/12/2026 10:14 शनि 18/12/2026 01:45 बुध 24/12/2026 21:57
गुरु - बुध - शुक्र 24/12/2026 21:57 11/05/2027 21:33	गुरु - बुध - सूर्य 11/05/2027 21:33 22/06/2027 07:02	गुरु - बुध - चंद्र 22/06/2027 07:02 30/08/2027 06:50	गुरु - बुध - मंगल 30/08/2027 06:50 17/10/2027 13:54
शुक्र 16/01/2027 21:53 सूर्य 23/01/2027 19:28 चंद्र 04/02/2027 07:26 मंगल 12/02/2027 08:37 राहु 05/03/2027 01:21 गुरु 23/03/2027 10:54 शनि 14/04/2027 07:14 बुध 03/05/2027 20:23 केतु 11/05/2027 21:33	सूर्य 13/05/2027 23:14 चंद्र 17/05/2027 10:01 मंगल 19/05/2027 19:58 राहु 26/05/2027 01:00 गुरु 31/05/2027 13:27 शनि 07/06/2027 02:46 बुध 12/06/2027 23:30 केतु 15/06/2027 09:27 शुक्र 22/06/2027 07:02	चंद्र 28/06/2027 01:01 मंगल 02/07/2027 01:36 राहु 12/07/2027 09:59 गुरु 21/07/2027 14:45 शनि 01/08/2027 12:55 बुध 11/08/2027 07:29 केतु 15/08/2027 08:05 शुक्र 26/08/2027 20:03 सूर्य 30/08/2027 06:50	मंगल 02/09/2027 02:27 राहु 09/09/2027 08:18 गुरु 15/09/2027 18:51 शनि 23/09/2027 10:22 बुध 30/09/2027 06:34 केतु 03/10/2027 02:11 शुक्र 11/10/2027 03:21 सूर्य 13/10/2027 13:18 चंद्र 17/10/2027 13:54
गुरु - बुध - राहु 17/10/2027 13:54 18/02/2028 18:20	गुरु - बुध - गुरु 18/02/2028 18:20 08/06/2028 03:37	गुरु - बुध - शनि 08/06/2028 03:37 17/10/2028 05:38	गुरु - केतु - केतु 17/10/2028 05:38 06/11/2028 02:54
राहु 05/11/2027 04:58 गुरु 21/11/2027 18:21 शनि 11/12/2027 10:15 बुध 29/12/2027 00:29 केतु 05/01/2028 06:21 शुक्र 25/01/2028 23:05 सूर्य 01/02/2028 04:06 चंद्र 11/02/2028 12:29 मंगल 18/02/2028 18:20	गुरु 04/03/2028 11:34 शनि 21/03/2028 23:03 बुध 06/04/2028 14:21 केतु 13/04/2028 00:54 शुक्र 01/05/2028 10:27 सूर्य 06/05/2028 22:55 चंद्र 16/05/2028 03:41 मंगल 22/05/2028 14:13 राहु 08/06/2028 03:37	शनि 28/06/2028 21:44 बुध 17/07/2028 11:25 केतु 25/07/2028 02:56 शुक्र 15/08/2028 23:17 सूर्य 22/08/2028 12:35 चंद्र 02/09/2028 10:45 मंगल 10/09/2028 02:16 राहु 29/09/2028 18:10 गुरु 17/10/2028 05:38	केतु 18/10/2028 09:29 शुक्र 21/10/2028 17:01 सूर्य 22/10/2028 16:53 चंद्र 24/10/2028 08:39 मंगल 25/10/2028 12:30 राहु 28/10/2028 12:05 गुरु 31/10/2028 03:43 शनि 03/11/2028 07:17 बुध 06/11/2028 02:54

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक रूप से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा पारिवारिक जनों से सामान्य सहयोग मिलता रहेगा। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। ज्ञानार्जन में इस समय आपकी पूर्ण रुचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक विभिन्न शास्त्रों का अध्ययन करने या वैज्ञानिक शोध कार्य के प्रति आपका विशेष ध्यान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कार्यों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क या तीर्थ यात्रा की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके कार्य बुद्धिमत्ता तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा लोग आप पर काफी विश्वास रखेंगे जिससे सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए समय मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष से आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति होगी परन्तु इस समय आप आवास या स्थान संबंधी परिवर्तन भी कर सकते हैं। शत्रु या विरोधी पक्ष भी यद्यपि समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु अन्त में उन पर विजय प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय सामान्यतया अच्छी रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अल्प मात्रा में कोई विशेष लाभ भी हो सकता है। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि परिश्रम से ही कार्यों कलापों में सिद्धि प्राप्त हो सकेगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

_*__**_****

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा परेशान रहेंगे फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में आपको असुविधा रहेगी। साथ ही आपको कई बार अपने ही कार्यों से हानि भी हो सकती है जिससे आपको बाद में पछतावा होगा। इस समय मित्र एवं संबंधियों से भी आपके संबंध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा उनसे तनाव तथा कलह का वातावरण रहेगा फलतः उनसे आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफल होंगे परन्तु यह सफलता भी आंशिक रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा चिन्तित रहेंगे।

इस समय आपके शत्रु भी अधिक मात्रा में उत्पन्न होंगे तथा उनसे आप अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान प्राप्त करेंगे। साथ ही घर में किसी प्रकार की चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको विशेष लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक होगा तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में भी व्यवधान रहेगा एवं विगत रुके हुए कार्यों में भी असफलता मिलेगी। इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी अधिक होंगी फलतः अन्य जनों से विवाद होता रहेगा। अतः इस वर्ष को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें।